नवभारत

कोविड-19 : फिनोलेक्स ने बढ़ाया मदद का हाथ

सीएसआर पार्टनर मुकुल माधव फाउंडेशन के माध्यम से पहल

संवाददाता

पुणे. कोरोना वायरस से जुड़े मामलों के सामने आने के तुरंत बाद फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड और मुकुल माधव फाउंडेशन ने इसे रोकने की दृष्टि से रणनीतिक तैयारियां पहले ही कर ली थी. इसके तहत फाउंडेशन के साथ जुड़े स्थानीय अस्पतालों, डॉक्टरों, पैरा-मेडिकल भागीदारों और अन्य अनुभवी लोगों के साथ गहन परामर्श के बाद इस रणनीति को तैयार किया गया.

फाउंडेशन की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, कोविड-19 से लड़ने के लिए मास्क की आवश्यकताओं को देखते हुए फाउंडेशन ने ऐसे विभिन्न संगठनों से संपर्क किया, जो इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए योगदान कर सकते थे. इसके लिए पुणे में एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं को आजीविका प्रदान करने वाले फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन और सातारा में स्थानीय महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों से संपर्क किया गया. फाउंडेशन द्वारा मसर, गुजरात और रत्नागिरी में संचालित स्किल डेवलपमेंट सेंटर में भी इसी तरह के प्रयास किए गए. पुण्यधाम आश्रम जो पुणे के बाहरी इलाके में वरिष्ठ नागरिकों का आश्रयस्थल है, स्वेच्छा से मास्क बनाने के लिए आगे आया और इसने पुलिस बल, ससून अस्पताल और मुकुल माधव फाउंडेशन की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया है.

4 हजार से अधिक कामगारों को मदद

- ऑनलाइन क्राउड फंडिंग पोर्टल 'केट्टो' के सहयोग से फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड और मुकुल माधव फाउंडेशन ने 4000 से अधिक ऐसे दिहाड़ी कामगारों के परिवारों की सहायता की, जिन्हें हाल के दौर में अपना रोजगार गंवाना पड़ा है. मुकुल माधव फाउंडेशन ने लगभग 7 समान विचारधारा वाले संस्थानों/ स्वयंसेवकों के साथ भागीदारी की और प्रभावित लोगों को राशन सामग्री और अन्य वस्तुओं का वितरण भी किया.
- जिला स्वास्थ्य अधिकारी, सीईओ और सिविल सर्जन सभी ने बहुत सहयोग किया है. निजी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में सामग्री पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम ने अधिकारियों और गैर सरकारी संगठनों के बीच समन्वय का काम किया.

निजी अस्पतालों से भी मदद की अपील

इसके अलावा अस्पतालों के नेटवर्क का सर्वेक्षण किया किया गया ताकि तत्काल जरूरत होने पर कोविड- 19 से प्रभावित रोगियों की देखभाल के लिए उनका इस्तेमाल किया जा सके. रेड क्रॉस सोसाइटी, केईएम अस्पताल, ससून जनरल अस्पताल, नायडू अस्पताल और कई निजी अस्पतालों से इस बारे में एक अपील की गई. फाउंडेशन इन अस्पतालों में वेंटिलेटर, दस्ताने, पीपीई सूट, मास्क, सैनिटाइजर, कीटाणुनाशक और फेस शील्ड प्रदान करने के लिए सक्रिय है. साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क में स्थित एक स्टार्टअप के सहयोग से 4 साइटेक एयरऑन जनरेटर्स नायडू हॉस्पिटल्स को प्रदान किए गए और जल्द ही ऐसे 25 से अधिक जनरेटर्स ससून अस्पताल, केईएम अस्पताल और पुलिस स्टेशनों को प्रदान किए जाएंगे.

इन गतिविधियों की जानकारी देते हुए मुकुल माधव फाउंडेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी श्रीमती रितु प्रकाश छाबरिया ने कहा कि, लॉकडाउन की इस अवधि के दौरान फाउंडेशन अपने लाभार्थियों को पूरे दिल से समर्थन दे रहा है और उनकी तरफ से भी हमें ऐसा ही सपोर्ट मिल रहा है. सभी हमारी इन गतिविधियों को सफल बनाने में सहयोग दे रहे हैं. राज देशमुख, विनोद रोहाणी, चेतन लोढ़ा और कई अन्य स्वयंसेवक इस मिशन को अपना अनमोल समर्थन दे रहे हैं.